Literacy for a Billion

Movie: Laila Majanu
Year: 1979

Song: Hoke Mayoos Tere Dar Se
Lyricist: Sahir Ludhianvi

होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया
होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
ना गया ना गया
झोलियाँ भर गईं हाँ हाँ
झोलियाँ भर गईं हाँ हाँ
झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया
झोलियाँ भर गईं भर गईं
झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया
खाली ना गया
खाली ना गया
झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया
झोलियाँ भर गईं

तेरे दरबार में जो भी
परेशाँ होके आए
हाँ हाँ परेशाँ होके आए
दुआएँ देके जाए
और मुरादें लेके जाए
हाँ हाँ मुरादें लेके जाए

तू रहमत का फ़रिश्ता है

तू उजड़े घर बसाए
तू रूहों का मसीहा है
तू हर ग़म को मिटाए
आ... आ...
एहल ए दिल
एहल ए मोहब्बत पे इनायत है तेरी
तूने डूबों को उभारा है
ये शोहरत है तेरी
अनोखी शान तेरी
निराली आन तेरी
आ हे अनोखी शान तेरी
निराली आन तेरी
तू मस्ती का ख़जाना
तेरा हर दिल दीवाना
तू मस्ती का ख़जाना
तेरा हर दिल दीवाना
तू मेहबूब ए खुदा है
तू हर ग़म की दवाँ है
तभी तो सब कहते हैं
कहते हैं कहते हैं
होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया

झोलियाँ भर गईं सबकी
कोई खाली ना गया

झोलियाँ भर गईं

जमाल ए यार देखा है
जमाल ए यार देखा
आ हे जमाल ए यार देखा
रूख़ ए दिलदार देखा है
रूख़ ए दिलदार देखा
आ हे रूख़ ए दिलदार देखा
किसीका नाज़नी जलवा
सर ए दरबार देखा
तमन्नाओं के सेहरा में
हसीं गुलज़ार देखा
आ हा हसीं गुलज़ार देखा
हाँ... जबसे देखा है तुझे
दिल का अज़ब आलम है
जान ओ इमाँ भी अगर
नज़र करूँ तो कम है
था जो सुनने में आया
तुझे वैसा ही पाया हाए

था जो सुनने में आया
तुझे वैसा ही पाया
तू अरमानों का साहिल
तू उम्मीदों की मंज़िल
तू अरमानों का साहिल
तू उम्मीदों की मंज़िल
तू हर बिगड़ी बनाए
तू बिछड़ों को मिलाए
तभी तो सब कहते हैं
कहते हैं कहते हैं
होके मायूस तेरे
दर से सवाली ना गया
झोलियाँ भर गईं
अजी हाँ
झोलियाँ भर गईं सबकी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.